आश्वस्त करके कहना चाहती हूँ कि भारत इस तरह के एक्शन की कठोर निन्दा करता है। India strongly condemns this. हम निश्चित तौर से उनके हाई किमश्नर को बुलाकर उनको इस बात से अवगत कराएँगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. That is over. Now, Calling Attention. ..(*Interruptions*)..

RE. QUESTION OF NOTICE OF PRIVILEGE REGARDING UPSC CSAT — Contd

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आजाद): माननीय उपसभापति जी, पिछले कई हफ्तों से यह सिलसिला चल रहा है। ...(व्यवधान)...

ث قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : مائنے اپ سبھا بتی جی، پچھلے کئی
 بفتوں سے یہ سلسلہ چل رہا ہے ...(مداخلت)...

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्यमंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्यमंत्री, तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रकाश जावडेकर) : तीन साल से। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाम नबी आजाद: तीन साल से तो अलग बात है। अब हर चीज़ में आप कहेंगे कि दस साल से या तीन साल से, तब तो फिर कहीं नही पहुँचेंगे। फिर तो अगले पाँच साल तक आपको यही कहना पड़ेगा, दस साल की याद दिलानी पड़ेगी। इस सदन में सभी साथियों ने, मैं यह नहीं कहता कि उस तरफ के लोग हमारे साथी नहीं हैं, लेकिन इस तरफ के सभी लोगों ने, श्री शरद जी ने, प्रो. राम गोपाल यादव जी ने, सीपीआई ने, यानी कांग्रेस समेत जितने भी लोग हैं, सब लोगों ने यह मुद्दा कई दफा उठाया है कि आज पूरे देश में लाखों लड़के कहते हैं कि उनके जाने का कहीं रास्ता ही नहीं बना है कि कहां जाना है। तो हम इसको अचानक नहीं कर सकते हैं, कई स्टेट्स से तो कई कैटेगरीज़ में उनकी संख्या अब इतनी कम हो गई है कि यह आहिस्ता-आहिस्ता शून्य पर पहुँच जाएगी। इसका कोई समाधान कभी तो होना चाहिए। रोज हमें बताया जाता है कि एक हफ्ता, एक हफ्ता दो दिन, एक हफ्ता तीन दिन और तब से कई हफ्ते निकल गए, इसके लिए मैं यह चाहता हूँ कि ऑनरेबल चेयर आज इस संबंध में डायरेक्शन दे कि सरकार कल तक कोई समाधान लेकर इस सदन के सामने आए।

† جناب غلام نبی آزاد: تین سال سے تو الگ بات ہے۔ اب ہر چیز میں آپ کہیں گے کہ دس سال سے یا تین سال سے، تب تو پھر کہیں نہیں پہنچیں گے، پھر تو آگے پنچ سال تک آپ کو یہی کہنا پڑے گا، دس سال کی یاد دلانی پڑے گی۔ اس سدن میں سبھی ساتھیوں نے، میں یہ نہیں کہتا کہ اس طرف کے لوگ ہمارے

[†]Transliteration in Urdu Script.

ساتھی نہیں ہیں، ٹیکن اس طرف کے سبھی لوگوں نے، شری شرد یادو جی نے، پروفیسر رام گوپال یادو جی نے، سیپی۔انی۔ نے، یعنی کانگریس سمیت جتنے بھی لوگ ہیں، سب لوگوں نے یہ مذعا کئی دفعہ اتھایا ہے کہ آج پورے دیش میں لاکھوں لڑکے کہتے ہیں کہ ان کے جانے کا کہیں راستہ ہی نہیں بنا ہے کہ کہاں جانا ہے۔ تو ہم اس کو اچانک نہیں کر سکتے ہیں، کئی اسٹیٹس سے تو گئی کتیگریز میں ان کی تعداد آب اتنی کم ہو گئی ہے کہ وہ آبستہ آبستہ زیرو پر پہنچ جانے گی۔ اس کا کوئی سمادھان کبھی تو ہونا چاہئے۔ روز ہمیں بتایا جاتا ہے کہ ایک بفتہ ایک بفتہ تین دن اور تب سے کئی بفتے نکل گئے، اس لئے میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ انریبل چینر آج اس سمبندھہ میں ڈائریکشن دے کہ سر کار کل تک کوئی سمادھان لے اس سدن کے سامنے آئے۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. LoP, you are a seasoned and experienced ...(Interruptions)...

श्री शरद यादवः सर, एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me react to it. ...(Interruptions)...

प्रो. राम गोपाल यादवः महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री सतीश चंद्र मिश्राः सर, ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. ...(Interruptions)... I will allow you. ...(Interruptions)... Hon. LoP is a very seasoned political leader. He himself was a Minister. And now he is the Leader of the Opposition. The Chair cannot give a direction other than what has already been given. The question is that the Government has made it clear that they are trying to find a solution and they will come back to the House as soon as possible. ...(Interruptions)... What more can I do? I asked the Minister if he could give a timeframe. ...(Interruptions)... He replied to that. ...(Interruptions)... What more do you want? ...(Interruptions)... Now you allow the House to run. ...(Interruptions)... Let us proceed with the business. ...(Interruptions)... The Chair cannot do anything. ...(Interruptions)...

SHRI SATISH CHANDRA MISRA: Sir, the Chair cannot be helpless. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Chair cannot give the direction to settle it within a particular time. ...(*Interruptions*)... The Chair cannot do it. ...(*Interruptions*)... It is for the Government to do. ...(*Interruptions*)...

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, पिछली बार जब मंत्री जी ने कहा था कि इस पर शीघ्र ही निर्णय करेंगे, तो मैंने कहा था कि यह ''शीघ्र ही'' अनिश्चित शब्द है और उन्होंने आज फिर उसी को अंग्रेजी में as soon as possible कह दिया। ...(व्यवधान)... महोदय, इसका कोई मतलब नहीं है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now also the Minister said the same thing. ...(*Interruptions*)... He will solve it as soon as possible. ...(*Interruptions*)...

प्रो. राम गोपाल यादवः महोदय, गनर्वमेंट की निगाह में 'as soon as possible' एक साल के बाद भी हो सकता है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You all made your point. Now let us have the business. ...(*Interruptions*)... You have made your point. ...(*Interruptions*)...

प्रो. राम गोपाल यादवः महोदय, आज इसको लेकर लाखों लोग आंदोलन कर रहे हैं, वे सड़क पर हैं, वे पिट रहे हैं, वे भूखे बैठते हैं, वे अस्त-व्यस्त हैं, इम्तिहान होने जा रहा है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will have to adjourn the House. That is the only way. ...(Interruptions)...

श्री शरद यादवः सर, मेरी आपसे विनती है कि ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Plight of Indian workers in Iraq is a very important subject. ...(Interruptions)...

श्री शरद यादवः सर, मेरी आपसे विनती है कि ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have made your point. ...(Interruptions)... What more do you want? ...(Interruptions)....

श्री शरद यादव: सर, मेरा निवेदन यह है कि इसकी अर्जेंसी इसलिए है क्योंकि लाखों बच्चे आज एक तरफ से टंगे हुए हैं। आप इसमें इतनी डिले कर रहे हैं, आपने यही बात कितनी दफा कही है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि इसके लिए मैंने आपको प्रिविलेज नोटिस दिया है, इसलिए इसके ऊपर भी आप फैसला दीजिए। सरकार on the floor of the House यह वचन दे चुकी है कि हम इसको within 8 days करेंगे। उस दिन डीओपीटी मिनिस्टर की बॉडी लेंग्वेज़ अच्छी थी, बेटर थी, अब वह बिगड गई है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Calling Attention is a very important subject. ...(Interruptions)...

श्री सतीश चंद्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश)ः सर, ये नौजवान बेरोजगार लोगों के वोट लेकर आज यहां मत्री बन कर बैठे हुए हैं, उसके बाद कहते हैं ...(व्यवधान)... उनके साथ इस तरह से* तो मत कीजिए। ...(व्यवधान)... आप अभी-अभी उनके वोट पाकर मंत्री बने हैं और आप उन नौजवानों के साथ* कर रहे हैं। ...(व्यवधान)...

SHRIMATI KANIMOZHI (Tamil Nadu): Sir, I want to say something. ...(Interruptions)... They are talking about Hindi. ...(Interruptions)... We want to know what happens to regional languages of the States. ...(Interruptions)...

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I want to add one point to it. ...(Interruptions)...

SHRI NARESH AGRAWAL (Uttar Pradesh): Sir, I have one point of order...(Interruptions)...

SHRIMATI KANIMOZHI: Sir, we want to know about other Indian languages. ...(Interruptions)... What the Government of India ...(Interruptions)...

SHRI NARESH AGRAWAL: Sir, I have one point of order. ...(Interruptions)... It is Rule 9. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. Mr. Rajeeve, I will allow you. ...(Interruptions)...

SHRI P. RAJEEVE: Sir, we are discussing the UPSC examination. Our demand is that the question paper should be made available in our regional languages also. ...(*Interruptions*)... Now it is only available in English and Hindi. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I understood it. ...(Interruptions)... Rangarajanji, please take your seat. ...(Interruptions)... Hon. Members, I crave your indulgence. ...(Interruptions)... I request all of you to please listen to me. The issue has been raised by the hon. Members. I know that it is very important. You're agitated over this. Last week also you were agitated. And the Government had given an assurance. You want the Government to fix a timeframe and announce it. I asked the Government... (Interruptions)...

श्री सतीश चंद्र मिश्रा: ये तो आपकी बात सुन नहीं रहे हैं। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I asked the government whether they can give a timeframe. ...(Interruptions)... The Minister said that they are trying their best to solve it. ...(Interruptions)... They will come back to the House as soon as possible. ...(Interruptions)...

^{*} Expunged as ordered by the Chair.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN: But their best is not best enough. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You should know the rules. I am standing. So, I have asked the Government. The Government has said that they are trying to solve it and as soon as possible, they will come back. Nothing more can be done from the Chair. That is one thing. Second thing is, I would request the Government to solve it as quickly and as soon as possible and come back to the House. ...(Interruptions)... That's all. ...(Interruptions)... Now, Calling Attention. ...(Interruptions)... Don't you want the Calling Attention? ...(Interruptions)... Calling Attention is on an important subject which every Party leader wanted. They will come up with answers. You please sit down. ...(Interruptions)... Kanimozhiji, they will come up with answers to your queries. ...(Interruptions)... Allow the Government to solve it and come back to the House.... (Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have a point of order. Tell me the rule. ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, रूल १ ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(Interruptions)... Please. ...(Interruptions)...

SHRI JESUDASU SEELAM (Andhra Pradesh): Mr. Deputy Chairman, Sir, I have been asking for time for the last one week. ...(Interruptions)... UPSC exam is not a small thing. ...(Interruptions)... It is unique in the country. ...(Interruptions)... There are certain points. ...(Interruptions)... You don't allow me. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, इस नियमावली में जितने भी नियम बने हैं, इन सारे नियमों में सारी शक्ति चेयर को दी गई है।

श्री उपसभापतिः हां, यह दिया है।

श्री नरेश अग्रवाल: चेयर पर चाहे सभापित हों, डिप्टी चेयरमैन हों या वाइस चेयरमैन हों, इनमें चेयर की कोई सीमा नहीं रखी गई है। श्रीमन्, जैसा अभी आप कह रहे थे कि हम गवर्नमेंट को ऑर्डर नहीं दे सकते, इसिलए मैं यह कह रहा हूँ कि इसमें बड़ा साफ लिखा है कि जो शक्ति सभापित को है, वही शक्ति जब उपसभापित चेयर पर बैठेंगे तो उनको होगी और जब वाइस चेयरमैन बैठेंगे तो उनको होगी, श्रीमन् सभापित जी के लिए कोई लिमिटेशन नहीं है, वे जब चाहें तब गवर्नमेंट को ऑर्डर कर सकते हैं कि आप कल तक जवाब दीजिए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have already asked the Government. ...(Interruptions)... So, they can come back to the House as early as possible. ...(Interruptions)... I have already asked the Government. ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवालः ऐसा नियमावली में कहां लिखा है? श्रीमन्, मैं चेयर से यह पूछ रहा हूँ कि नियमावली में चेयर की सीमा कहां पर बँधी है? ऐसा कहां लिखा है कि चेयरमैन गवर्नमेंट को ऑर्डर नहीं दे सकता या गवर्नमेंट को डायरेक्शन नहीं दे सकता? हमको नियमावली में वह नियम दिखा दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापतिः सुनिए, जो मैंने कहा, it is my direction. ...(Interruptions)... I have asked the Government. ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, अगर चेयर असहाय हो जाएगी तो विपक्ष को अपने अधिकार कभी नहीं मिल पाएँगे। ये तो सत्ता के मद में चूर हैं, ...(व्यवधान)... लेकिन अगर हमको आपसे संरक्षण नहीं मिला ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You know it. ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल: आप रूल १ का जवाब दे दीजिए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please allow Calling Attention. ...(*Interruptions*)... I will have to adjourn the House. ...(*Interruptions*)... That's the only way. ...(*Interruptions*)... Calling Attention is very important. ...(*Interruptions*)... Nareshji, I will give my ruling. ...(*Interruptions*)...

श्री सतीश चंद्र मिश्राः सर, आपने इनको फ्राइंड को यह डायरेक्शन दी कि आप बताइए कि कितने समय में अपने निर्णय को इस सदन में बताएँगे। आपका वह डायरेक्शन इनके ऊपर इस रूल के तहत बाध्य है। अगर बाध्य है तो इनको जवाब देना चाहिए कि ये इस संबंध में निर्णय लेकर इस सदन में किस तारीख को बताएँगे। जब आपकी वह रूलिंग एग्जिस्ट करती है और इन्होंने वह जवाब नहीं दिया है, तो यह सीट की अमान्यता है तथा इन्होंने आपकी सीट को का काम किया है, जिससे इसकी प्रतिष्ठा पर दाग लगता है। इसलिए इनको यह बताना चाहिए कि ये कब निर्णय लेंगे। 24 तारीख को इम्तहान है और आप कह रहे हैं as soon as possible!

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)... What is your point? ...(*Interruptions*)... Do you have anything new? ...(*Interruptions*)...

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, this is a serious issue about UPSC. Yes, it is something new. The last time the Minister was here, he made a statement on UPSC. The House advised him to make his next statement in the House for the new position. He continues to give television bytes, but not speaking to the House. So, I request the Government to stop using the media as an intermediary. The Parliament is in session. Whatever they have to say, they should come and speak here. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, it is over. ...(Interruptions)... No more discussion on that. ...(Interruptions)... That's over. ...(Interruptions)... I have to give two rulings. ...(Interruptions)... No more discussion on that. ...(Interruptions)... You sit down. ...(Interruptions)...

^{*}Expunged as ordered by the Chair.

UPSC

SHRI JESUDASU SEELAM: Please give me two minutes, Sir. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I told you there will be no more discussion on this. ...(Interruptions)... Mr. Seelam, what are you doing? ...(Interruptions)... Your leaders are sitting here. ...(Interruptions)... What are you doing? ...(Interruptions)... The LoP has spoken. ...(Interruptions)... Sit down. ...(Interruptions)... I cannot allow that way.... (Interruptions)... Please sit down. Do you have to say more than what your LoP has said? ...(Interruptions)...What is this? Please sit down. ...(Interruptions)... No, no... (Interruptions)... Do you want to say anything more than what your Leader has said? ...(Interruptions)... Then please sit down. ...(Interruptions)... Please sit down. It is my request. ...(Interruptions)... I have heard you. Please sit down. ...(Interruptions)... Mr. Seelam, please don't do this. ...(Interruptions)... It is not good. It is indiscipline, Mr. Seelam. Please sit down. ...(Interruptions)... It is unbecoming of you. Please sit down. ...(Interruptions)... Please, Madam, you also sit down. Don't raise your hand. I cannot allow you. I have told you that discussion on this subject is over. I heard you. Let me give two rulings and go to the next subject. Firstly, Shri Sharad Yadav has raised the question of notice of privilege. ...(Interruptions)... When I am giving ruling, there is no point of order. I know you have given a privilege notice, which you have mentioned in the House. That is under consideration of the Chairman. The Chairman will examine it and take a decision according to the rules. Regarding Nareshji's point of order, yes, I know Rule 9 gives certain powers to the Deputy Chairman...(Interruptions)... Yes, that is a point of order. I know the Deputy Chairman or the Vice-Chairman, when he is presiding, when he is in the Chair, has certain powers. I am aware of it. By exercising that power, I have asked the Government to come back to the House with a decision as early as possible. ...(Interruptions)...

SHRI NARESH AGRAWAL: When?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is for the Chair. ...(Interruptions)... It is my discretion. ...(Interruptions)... It is my discretion to decide whether I should give this direction or that direction. That you cannot question. ...(Interruptions)... You cannot question that. ...(Interruptions)... Now the Calling Attention ...(Interruptions)... to the plight of stranded workers from India in Iraq and Government's response thereto. Shrimati Ambika Soni. ...(Interruptions)...